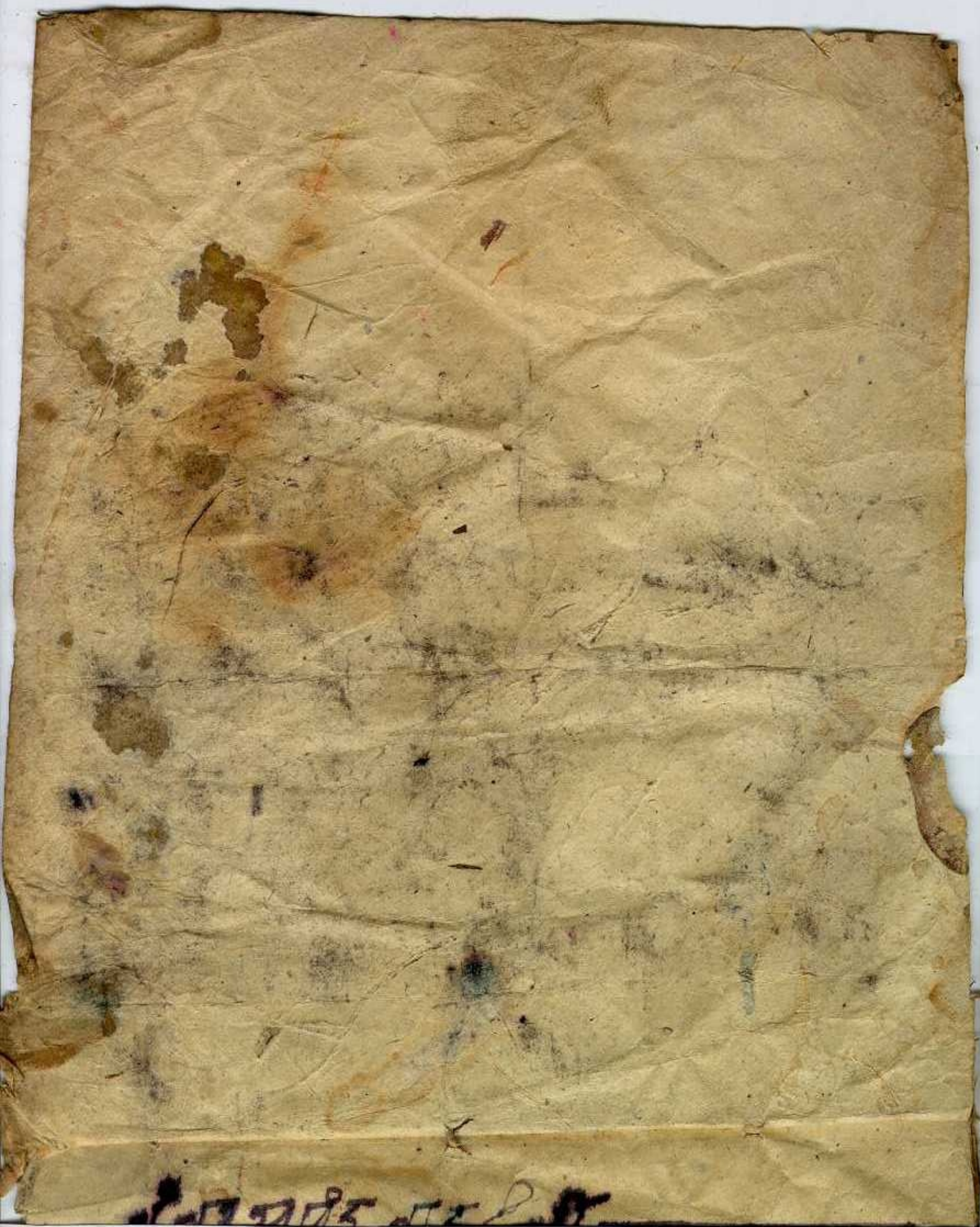


আখ্যায়িকা
2408

ASPIR ARCHIVES



अंतर सपंदी लाइली

नसीली गुरु आग्या को हुतवा चयु हुतवा पु
गुरु आग्या को पुत्र र नम सकार आग्या हु पुकार
वा या गुरु को सते हुत त स्वाहा ॥ ॥

गुरु आग्या प्रजवा ही को सते वा चारि गी
नील सा गी ही हुत स्वाहा कुमा री प्रजति गी
नी गुरु सते वा चारि हुत स्वाहा ॥ ॥

अंतर वं ना नु मंडी सी को

युक्तं तत्तद्वचना उनेह

पाशु ~~को~~ वेपथु नवाबा मुद्रा देवी तमं स्वापे जाम
३ पुत्रे ती देवी तस्य आगवे गता वी दो न तगर
काना उ न माहा वसादती न म ~~ह~~ न न जी जी नी
तं कामा नी देवी तमक त प्रती वे व क्षा शनी देवी
न म सकार न उ सा त न माहा न नो जी नी देवी
त र मा को न इ स्वी न वा ना ही देवी न म कार पेर
वा पु न म सकार वृज जी नी देवता को न मा सकार
वर मा हा देव को न म सकार

॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो श्री वंद्योसी दी गुरु आग्या ॐ नमो रागव
नी वृषवर्द ननी सुन वका। एक सगनी ना वीन थी
नम सगुरु नी इह रइ लपे कली नी सम सतन न
वै जी जी गमल आगी नी वं वे सबा पेडु वादी क री ना
कुल को नी नी कु वृ ले को ल पनी कु वनी नम स
को वा ल द ता प्र नी आगी नी असा ली क सी वं
जोग प्र ह गुरु आ प पा रे वा हा का स्या नी
सह जोग नी अमारा का संधं जोगी नी आ
नी ह गुरु ल स्वाहा व सु वी मह जोगी नी वी प्र ना
क सी वं जोगी नी ग च उरु स्वाहा वा ना दी म
दि अजी नी व सो नी क सी वं जोग गो रा हि ई ह ला
का इ रा पे नी सह नो जी नी र्य दे ला सा आग रो गर

[illegible]

ठागममरवृत्तागदरुपादरखाहावमाप

इहल्ल अंततत्त प्रहमस्याहा नीसीतमेह
वडवाफवीह नवाकवीतिमुजेभरडीज्ज
मववीनमरुठंरुदलस्वसजानपेलुम
कडमसीदीसीममपर्युयाकीपनीकोवे
वाफवीमसातनुजजाभावनवल्लोनामवरु
रुसंतखाहाकीमोनरकीवरमतपीतनु
नीजाकीपनसगनरुठंरुभनधुखाहा

